मातेश्वरी जी के मधुर महावाक्यों का सार ---------- Date: 24-06-2014

मातेश्वरी जी ने आज की मुरली में परमात्मा के कर्तव्यों की महिमा की हैं और हम बच्चों को समझाया की आत्मा और परमात्मा एक-समान होते भी उनके कर्तव्यों में जमीन-और-आसमान जैसा फर्क हैं.

इस बेहद के सृष्टि चक्र में पार्ट बजाते, आत्मा की स्टेज या स्थिति बदलती जाती हैं. अभी वह बाप बैठ करके समझाते हैं कि अभी तुम्हारी आत्मा की जो स्थिति हैं और पहले (सृष्टि के आदि में) स्थिति थी, उसमें फर्क हैं. अभी बाप आये हैं उसी फर्क को मिटाने के लिए.

बाप ने समझ दे करके बताया हैं कि तुम्हारी आत्मा की जो ओरिजिनल स्टेज (सर्वगुण सम्पन्न, सोले कला संपूर्ण, संपूर्ण निर्विकारी) थी, उसे ध्यान में रखों. और जो भी कर्म करो बाबा कि याद में रह कर करों तो बाबा हम आत्माओं में श्रेष्ठ कर्म करने का बल भरेगा, नहीं तो हमारे कर्म श्रेष्ठ नहीं बनेंगे.

बाप कहते हैं अभी मेरे से योग लगाओ और जो मैं समझ देता हूं, उसी आधार से अपने पापों का जो बोझा हैं, बन्धन हैं, जो रूकावटें बन सामने आती हैं उससे अपना रास्ता साफ करते चलो. फिर श्रेष्ठ कर्म करते रहेंगे तो तुम्हारे में सतोप्रधानता की वह पॉवर आती जायेगी, उसी आधार से तुम फिर से उस स्थिति को प्राप्त करेंगे जो तुम्हारी असूल थी.

जब आत्मायें अपना संपूर्ण स्टेज प्राप्त करती हैं तो उसके लिए नयी दुनिया या नया संसार अभी परमपिता परमात्मा बनाते हैं. बाबा यही पूरानी दुनिया को बदल के नया बनाते हैं. इसलिए उसको कहा जाता हैं वर्ल्ड क्रियेटर, वर्ल्ड ऑलमाइटी अथॉरिटी.

इस सृष्टि रुपी ड्रामा चक्र में हम सब आत्माओं और परमात्मा का अपना-अपना पार्ट हैं. जिस तरह से हम आत्मायें अपना कर्तव्य करते हैं ऐसे ही परमात्मा भी अपने टाइम पर आकर उनका कर्तव्य करते हैं. सब अपना-अपना पार्ट प्ले करते हैं.

बाबा का अन्य एक कर्तव्य हैं, वह हम सब आत्माओं को लिबरेट करते हैं, माया के बन्धनों से मुक्त करते हैं इसलिए उन्हें लिबरेटर भी कहा जाता हैं.

बाबा का कर्तव्य विशाल हैं, बाबा का कर्तव्य महान हैं, और सबसे निराला हैं इसलिए बाबा के लिए गाया जाता हैं - तेरे काम निराले. बाबा को सर्वशक्तिमान भी कहते हैं क्योंकि बाबा का कर्तव्य सबसे शक्तिशाली हैं, सब आत्माओं को माया के बंन्धनों से मुक्त करना और आत्माओं पर नयी दुनिया की सेंपलिंग लगाना, इसलिए उनको कहते हैं हेविनलि गॉड फाधर.

गॉड को टुथ भी कहते हैं क्योंकि गॉड इज टुथ का मतलब ही हैं कि गॉड ने आकर के सभी बातों कि सच्चाई बताई हैं. गॉड इज टुथ माना गॉड ही सच बतलाता हैं. उसमें ही सच्चाई हैं तब तो उसको नॉलेजफुल कहते भी हैं. परमात्मा के लिए कहते भी हैं वह सर्वज्ञ हैं यानी सर्व का ज्ञाता अथवा जानने वाला हैं.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email –
a.brahmin.soul@gmail.com